



भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi

Website : www.rbi.org.in

ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in



संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001

Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

6 अक्तूबर 2026

एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण का क्षेत्र-वार अभिनियोजन – अगस्त 2026

वर्ष 2026 के अगस्त माह के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्र-वार अभिनियोजन संबंधी आंकड़े, जो प्रमुख एनबीएफसी और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) से जुटाए गए हैं, [विवरण](#)¹ में दिए गए हैं।

वर्ष-दर-वर्ष (व-द-व) आधार पर, अगस्त 2026 में एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण में 15.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 10.0 प्रतिशत थी।

31 अगस्त 2026 को समाप्त माह के लिए एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्र-वार अभिनियोजन की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं :

- कृषि और संबद्ध कार्यकलापों हेतु प्रदत्त ऋण में अगस्त 2026 में 17.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की सुदृढ़ वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 5.1 प्रतिशत थी।
- उद्योग क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में अगस्त 2026 में 8.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की मामूली वृद्धि हुई, जो अगस्त 2025 में 8.3 प्रतिशत थी। उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत, 'आधारभूत संरचना' क्षेत्र में ऋण वृद्धि स्थिर बनी रही।
- सेवा क्षेत्र को प्रदत्त ऋण की वृद्धि अगस्त 2026 में कम होकर 16.2 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) रह गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 24.0 प्रतिशत थी। जहां, 'वाणिज्यिक स्थावर संपदा' क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में तेजी से विस्तार हुआ, वहीं 'व्यापार' और 'परिवहन परिचालक' क्षेत्रों में धीमी ऋण वृद्धि देखी गई।
- खुदरा ऋणों की वृद्धि अगस्त 2026 में बढ़कर 22.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 13.6 प्रतिशत थी। खुदरा ऋणों में, 'आवास ऋण' और 'स्वर्ण आभूषण के बदले ऋण' क्षेत्रों में ऋण वृद्धि में तेजी देखी गई, जबकि 'वाहन ऋण' के क्षेत्र में मामूली वृद्धि के साथ सुदृढ़ वृद्धि बनी रही।

प्रेस प्रकाशनी: 2026-2027/1261

अजीत प्रसाद
उप महाप्रबंधक (संचार)

¹ ये अंतिम आंकड़े हैं, जो माह के अंतिम दिन को रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के अनुसार हैं। एनबीएफसी के क्षेत्रवार ऋण संबंधी आंकड़े (i) अपर एवं मिडिल लेयर की एनबीएफसी, और (ii) एचएफसी के सैम्पल पर आधारित हैं, जो 'भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25' (आरटीपी 2024-25, सितंबर 2025 को यथास्थिति बकाया) में प्रकाशित डेटा के संबंध में कुल ऋण का लगभग 87 प्रतिशत होता है।